आउटर दिल्ली की जीत के नायक रहे हर्ष त्यागी बोले– बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों को देता हूं बराबर महत्व

नई दिल्ली

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ हाई स्कोरिंग मुकाबले में आउटर दिल्ली वारियर्स ने 21 रन से जीत दर्ज की। टीम की जीत में हरफनमौला हर्ष त्यागी ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया।

अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए त्यागी ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी के लिए गया तो छह ओवर बचे थे और लक्ष्य 200 रन तक पहुंचना था। मैंने करीब 30 महत्वपूर्ण रन बनाए। गेंदबाजी में मेरे पहले दो ओवर मुश्किल रहे, लेकिन आखिरी दो ओवर में मैंने रनों पर नियंत्रण रखने पर ध्यान दिया।

महत्वपूर्ण ओवरों में अपनी गेंदबाजी की रणनीति के बारे में उन्होंने कहा, मुझे पता था कि इन स्लाग ओवरों में कुछ रन खर्च हो सकते हैं, लेकिन मुझे अपनी तैयारी पर भरोसा था। मैंने पूरे साल दिल्ली में यार्कर और धीमी गेंदों पर काफी काम किया है, ताकि बल्लेबाजों को अनुमान लगाने में परेशानी हो। सबसे महत्वपूर्ण चीज गेंद का सही तरीके से इस्तेमाल करना था। मैंने मैदान पर जो योजना बनाई थी, उसे अच्छी तरह लागू किया।

अपने आलराउंडर की भूमिका को लेकर त्यागी ने कहा, मैं अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों को बराबर महत्व देता हूं। मैं खुद को गेंदबाजी आलराउंडर के रूप में देखता हूं, जो पूरे ओवर गेंदबाजी कर सकता है और निचले क्रम में अच्छी स्ट्राइक रेट के साथ योगदान दे सकता है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आउटर दिल्ली वारियर्स ने 20 ओवर में 219/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया। यशज शर्मा ने 36 गेंदों में 86 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने प्रियंश आर्य के साथ पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। आर्य ने 21 गेंदों में 30 रन बनाए।

इसके बाद हर्ष त्यागी ने 15 गेंदों में 32 रन की तेज पारी खेली, जबकि अक्षय सैनी ने 23 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से दिग्वेश राठी ने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए।

220 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 को आर्यन गौर और समर्थ सेठ ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 104 रन जोड़े। गौर ने 37 गेंदों में 65 और सेठ ने 24 गेंदों में 42 रन बनाए।

हालांकि अमन चौधरी ने अपने पहले तीन ओवर में तीन विकेट लेकर मुकाबले का रुख पलट दिया। इन झटकों से पुरानी दिल्ली 6 की रन गति धीमी पड़ गई और लक्ष्य लगातार दूर होता गया।

ललित यादव और अश्विनी चिल्लर ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन आखिरी ओवर में पुरानी दिल्ली 6 को जीत के लिए 41 रन चाहिए थे। आउटर दिल्ली वारियर्स ने आखिरकार मुकाबला 21 रन से अपने नाम कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

पाक हाकी कप्तान अबू बकर को भारत के खिलाफ जीत का भरोसा, बोले रैंकिंग नहीं मैच के दिन का प्रदर्शन होता है अहम

लाहौर। पाकिस्तान हाकी टीम के कप्तान अबू बकर महमूद ने कहा है कि रैंकिंग से बड़े मुकाबलों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। पाक हाकी कप्तान के अनुसार एफआईएच विश्व कप में उनकी टीम भारत पर जीत दर्ज करने में सफल रहेगी। बकर ने हालांकि माना है कि एक दशक से उनकी टीम भारत से नहीं जीती है पर इस बार उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जीत के सभी प्रयास करेगी। भारत और पाक क मुकाबला 19 अगस्त को खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले अभ्यास में लगी पाक टीम के कप्तान के अनुसार मैच में शीर्ष रैंकिंग का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता केवल उस दिन टीम कैसे खेलती है यहीं महत्वपूर्ण होता है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराया था, जबकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के हाथों 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं महमूद ने मान है कि भारतीय टीम रैंकिंग में उससे ऊपर है पर कहा कि मुकाबले में इन आंकड़ों की जगह पर मैच के दिन जो टीम अच्छा खेलेगी वही जीतेगी। गौरतलब है कि पाक ने अंतिम बार जून 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्राफी में भारतीय टीम को 4-3 से हराया था। वहीं हाल ही में, एफआईएच प्रो लीग में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 और 7-1 से हराया था जिससे भारत का पलड़ा इस बार भी भारी नजर आता है। प्रो लीग में पाक टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तानी संभालने वाले अबू ने भारतीय टीम की लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने की उपलब्धि की सराहना की और उन्हें विश्व कप के लिए शुभकामनाएँ दीं है।, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनकी टीम भी इस बार पूरी तैयारी से आई है। पाक कप्तान ने कहा कि प्रो लीग में उनका लक्ष्य खिताब जीतना नहीं, बल्कि शीर्ष टीमों से सीखना था, जिसका प्रभाव अब विश्व कप में दिखेगा।

टी20 के कारण टेस्ट में देखने नहीं मिल रही लंबी पारियां : हरभजन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 मुकाबले अधिक होने से खिलाड़ियों को आक्रामक अंदाज में खेलने की आदत हो गयी है। इससे खिलाड़ियों में धैर्य की कमी हो जाती है और इसी कारण अब टेस्ट में लंबी पारियां देखने को नहीं मिल रही हैं। भज्जी के नाम से लोकप्रिय हरभजन ने कहा कि इसी कारण टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी शैली भी प्रभावित हुई है। एक साक्षात्कार में, हरभजन ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के बल्लेबाजों में पहले जैसा संयम नहीं है। उन्होंने कहा, अब बहुत कम बल्लेबाज ऐसे हैं जो टिककर खेल सकें और एक पारी में 250 या 300 रन बना सकें क्योंकि अगर आप ज्यादा तेज शाट खेलेंगे तो आउट होने का खतरा हमेशा रहेगा। उन्होंने टेस्ट में तिहरे शतकों के का होने पर यही कारण बताया है जबकि ब्रायन लारा, वीरेंद्र सहवाग, क्रिस गेल और मैथ्यू हेडन जैसे पिछली पीढ़ी के खिलाड़ियों ने कई लंगी पारियां खेली थीं। लारा के 400 रन के रिकार्ड का भी उन्होंने जिक्र किया, साथ ही एबी डिविलियर्स और जाक कैलिस की बड़े दोहरे शतक बनाने की क्षमता को भी याद किया। अपने खेल के दिनों को याद करते हुए हरभजन ने बताया कि कैसे शुरुआत में खेल की गति धीमी थी, हालांकि वह उस समय के अनुरूप थी। उन्होंने कहा कि 2000 के दशक की शुरुआत में आस्ट्रेलिया ही एकमात्र ऐसी टीम थी जो टेस्ट में तेजी से रन बनाकर अपने समय से आगे थी। जहां अन्य टीमें एक दिन में लगभग 250 रन बनाती थीं, वहीं आस्ट्रेलिया का लक्ष्य हर बार एक दिन में 350 रन बनाना होता था।

एसटी 20 लीग के पांचवें सत्र में में मिचेल मार्श सहित कई दिग्गज खेलते नजर आयेंगे

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के आलराउंडर कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकाक, मैथ्यू ब्रीज्के, जार्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार आलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा। वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने रचा इतिहास, ट्रेंट राकेट्स को हराकर पहली बार जीता द हंड्रेड का खिताब

लंदन

लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (पूर्व में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) ने आखिरकार अपने तीसरे प्रयास में खिताब जीत ही लिया। टिम सेफर्ट की तूफानी 72 रन की पारी के दम पर सुपर जायंट्स ने फाइनल में शीर्ष पर रहने वाली ट्रेंट राकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार पुरुष द हंड्रेड का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने फाइनल में मिली पिछली दो हार का हिसाब भी चुकता कर दिया। टीम 2022 में ट्रेंट राकेट्स और 2023 में ओवल इनविंसिबल्स से फाइनल में हार गई थी।

नूर अहमद ने दिलाई राकेट्स को शुरुआती सफलता

पहले बल्लेबाजी करने उतरी ट्रेंट राकेट्स ने फिन एलन और बेन डकेट के बीच 48 रन की साझेदारी से अच्छी शुरुआत की। हालांकि अफगानिस्तान के कलाई के स्पिनर नूर अहमद ने चार गेंद के भीतर दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मुकाबले का रुख बदल दिया।

एनीयूरिन डोनाल्ड ने आते ही नूर पर हमला बोला और पहली छह गेंदों पर 17 रन ठोके, लेकिन वह 19 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद राकेट्स का स्कोर 97/5 हो गया।

ग्रेगरी-सैंटनर ने संभाला मोर्चा

मुश्किल में फंसी ट्रेंट राकेट्स को लुईस ग्रेगरी और मिशेल सैंटनर ने संभाला। ग्रेगरी ने लियाम डासन और गस एटकिंसन के खिलाफ लगातार छक्के लगाकर आखिरी 30 गेंदों में 61 रन जुटाए और टीम को 100 गेंदों में 158/8 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के सामने 159 रन का लक्ष्य था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर जायंट्स को टिम सेफर्ट ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज दिया। उन्होंने मोहम्मद आमिर के शुरुआती पांच गेंदों पर 14 रन बटोरे और पाल वाल्टर के साथ सिर्फ 31 गेंदों में 61 रन की साझेदारी कर दी।

सेफर्ट ने महज 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 38 गेंदों में सात छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर टीम की जीत की नींव रखी। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) भी चुना गया। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 394 रन बनाए।

कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंदों पर 23 रन की तेज पारी खेली, जबकि लुस डु प्लाय ने नाबाद 27 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

आखिरी ओवर में डासन ने छक्का लगाकर दिलाया खिताब

सेफर्ट के आउट होने के बाद राकेट्स ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की। हेनरिक क्लासेन शानदार कैच पर आउट हुए और माइकल ब्रेसवेल दूसरी गेंद पर खाता खोले बिना लौट गए। मुकाबला आखिरी पांच गेंदों तक पहुंच गया।

हालांकि लियाम डासन ने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए बेन सैंडरसन की गेंद को मिडविकेट के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। इस छक्के के साथ सुपर जायंट्स ने 98 गेंदों में 162/5 बनाकर पांच विकेट से जीत दर्ज की और पहली बार द हंड्रेड की ट्राफी अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त स्कोर: ट्रेंट राकेट्स 158/8 (एनीयूरिन डोनाल्ड 38, लुईस ग्रेगरी 32, बेन डकेट 31; नूर अहमद 3/33, सन्नी बेकर 2/34) मैनचेस्टर सुपर जायंट्स 162/5 (टिम सेफर्ट 72; मोहम्मद आमिर 3/29, कैल्विन हैरिसन 2/30) से पांच विकेट से हारी।

दिग्वेश राठी दिल्ली प्रीमियर लीग में विवादित नोटबुक सेलिब्रेशन करते दिखे

नई दिल्ली

दिल्ली के स्पिनर दिग्वेश राठी यहां जारी दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में एक बार फिर अपना विवादित नोटबुक सेलिब्रेशन करते दिखे जबकि आईपीएल में अपने जश्न मनाने के इस अंदाज के कारण उनपर जुर्माने के साथ ही प्रतिबंध भी लगा था पर लगता है कि उन्होंने इससे सबक नहीं लिया। राठी अपने अलग प्रकर के सेलिब्रेशन स्टाइल को लेकर अधिकतर निशाने पर रहे हैं। जब वह किसी बल्लेबाज को आउट करते हैं तो उसके बगल में जाकर नोटबुक सेलिब्रेशन करते हैं, जिसमें वे ऐसा दिखाते हैं जैसे किसी का नाम नोट कर रहे हों। इसी सेलिब्रेशन की वजह से आईपीएल में भी वह चर्चाओं में रहे थे। तब अभिषेक शर्मा के साथ उनका काफी विवाद हुअ था। इसके बाद दिग्वेश ने अपना सेलिब्रेशन बदल लिया था और वे जमीन पर लिखकर विकेट का जश्न मनाते थे।

वहीं अब लगता है कि राठी पुरानी सभी बातों को भूल गये हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग में पुरानी दिल्ली 6 टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे राठी ने हाल ही में आउटर दिल्ली वारियर्स के खिलाफ खेले गए सीजन के 29वें मुकाबले में अपना पुराना विवादित सेलिब्रेशन फिर से दिखाया। अरुण जेटली स्टेडियम में हुए इस मैच में, जब दिग्वेश ने प्रियांश आर्य को अपना पहला शिकार बनाया, तो विकेट लेने के तुरंत बाद उन्होंने पवेलियन लौट रहे प्रियांश के पास जाकर वही नोटबुक सेलिब्रेशन किया। हालांकि, इस बार प्रियांश आर्य ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिसके चलते इस बार कोई विवाद नहीं हुआ।

आईपीएल में मिली सजा से नहीं लिया सबक

राठी ने अपनी टीम के लिए कसी हुई गेंदबाजी की। उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पेल में केवल 25 रन देकर महत्वपूर्ण तीन विकेट लिए। प्रियांश आर्य के अलावा उन्होंने यश शर्मा और विकेटकीपर ध्रुव सिंह को भी आउट किया। हालांकि, उनके शानदार प्रदर्शन के बाद भी उनकी टीम यह मुकाबला 15 रनों से हार गई। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए आउटर दिल्ली वारियर्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर विशाल 219 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 की टीम 198 रन ही बना पायी।

क्लासेन अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान दे रहे

डर्बन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कहा है कि वह अब संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। क्लासेन ने स्पष्ट किया है कि अब उनका एकमात्र लक्ष्य दुनिया भर की विभिन्न लीगों में जिन टीमों के लिए वे खेलते हैं, उनके साथ ट्राफी जीतना है। गौरतब है कि इस समय क्लासेन द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हाल ही के आईपीएल सत्र में क्लासेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने 15 पारियों में कुल 624 रन बनाए और टीम के प्रमुख स्कोरर में से एक रहे। द हंड्रेड में भी उनकी शुरुआत बेहतरीन रही थी, लेकिन टूर्नामेंट के बीच के चरण में उनका प्रदर्शन थोड़ा शांत रहा, हालांकि उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर रन बनाना जारी रखा। क्लासेन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, जिसके बाद वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लगातार सक्रिय हैं। आईपीएल और द हंड्रेड के अलावा, वे एएस ए 20 में डरबन सुपर जायंट्स के लिए खेलते हैं।

दो अक्टूबर से शुरु हो सकता है 2027 एकदिवसीय विश्वकप: रिपोर्ट

जोहांसबर्ग

2027 एकदिवसीय विश्वकप टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरु होने की संभावना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रुप से कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार विश्वकप 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर शुरु हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हालांकि अभी तक इस बार में कोई बयान नहीं दिया है पर माना जा रहा है कि महात्मा गांधी का दक्षिण अफ्रीका से गहरा नाता रहा है, उन्होंने अपने जीवन के 21 साल यहां बिताए थे। ऐसे में इस खास तारीख से टूर्नामेंट को शुरु कर आईसीसी उनके शांति और अहिंसा के वैश्विक संदेश को सम्मान दे सकता है। इस बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना एक प्रतीकात्मक कदम माना जा रहा है। वहीं पहले विश्वकप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अभ्यास मैच अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने थे पर अब नई योजना के तहत, अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट 2 अक्टूबर से शुरू हो सके और इस महत्वपूर्ण तारीख को समायोजित किया जा सके।

तकरीबन 50 दिनों तक चलने वाले इस लंबे टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की संभावना है। इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की शीर्ष क्रिकेट टीमों को खिताब के लिए मुकाबला करते देखा जा सकता है।

टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना गया है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जार्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क जैसे प्रमुख स्टेडियम मुकाबले आयोजित करेंगे। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फाल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मैचों की मेजबानी करेगा। वहीं, नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी इस वैश्विक आयोजन का हिस्सा होगा।

विश्वकप एक नए और रोमांचक प्रारूप के साथ खेला जाएगा। इसकी शुरुआत तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी, जिसमें से एक टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इसके बाद, शेष 12 टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा, हर समूह में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद, टीमें सुपर सेवन चरण में आगे बढ़ेंगी, जो सेमीफाइनल और फिर फाइनल तक का रास्ता तय करेगा। इस तरह, खिताब जीतने के लिए टीमों को कई चुनौतीपूर्ण चरणों से गुजरना होगा।

अब तक 10 टीमों ने विश्वकप 2027 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। शेष चार स्थानों का निर्धारण अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा, जिसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी विश्व कप में अपनी जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

महिला हाकी विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगा भारत

एम्स्टेलवीन

भारतीय महिला हाकी टीम एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करने के इरादे से पूल डी के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। मुकाबला एम्स्टेलवीन के वेगेनर हाकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को कड़ी चुनौती देते हुए 2-2 से ड्रा खेला था। भारत की ओर से नवनीत कौर और दीपिका ने गोल किए। चीन ने दो बार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म किया।

चीन के खिलाफ प्रदर्शन से भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन अब टीम की नजर तीन अंक हासिल करने पर होगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को अपने पहले मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था और वह भारत के खिलाफ वापसी करना चाहेगा।

पूल डी में फिलहाल इंग्लैंड शीर्ष पर है, जबकि

भारत और चीन एक-एक अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चारों पूल की शीर्ष दो टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी। ऐसे में भारत के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत बेहद महत्वपूर्ण होगी। हालांकि मुख्य कोच सजार्ड मारिजन का कहना है कि टीम का ध्यान अंक तालिका के समीकरणों पर नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन पर है।

उन्होंने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, हम गणना या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि हम खुद पर और अपनी ताकत पर ध्यान दें। चीन के खिलाफ हमने मौके बनाए, जो सकारात्मक बात थी। रक्षात्मक रूप से भी हम काफी मजबूत रहे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है, यानी गेंद जीतने के बाद उसे अपने कब्जे में बनाए रखना। इसमें हम बेहतर कर सकते हैं।

मारिजन ने दक्षिण अफ्रीका को लेकर खिलाड़ियों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा, अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे इसे हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है, इसलिए हमें इस मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा।

भारत को चीन के खिलाफ मिले मौकों को गोल में बदलने की क्षमता में सुधार करना होगा। नवनीत और दीपिका की अच्छी शुरुआत टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं, भारतीय रक्षापंक्ति को चीन के खिलाफ दिखाए गए संयम और मजबूती को बरकरार रखना होगा।

दक्षिण अफ्रीका अपने शुरुआती मुकाबले की हार के बाद मजबूत वापसी के लिए मैदान पर उतरेगा। ऐसे में भारत को एक कड़े मुकाबले की उम्मीद होगी। भारतीय टीम की नजर अब चीन के खिलाफ हासिल किए आत्मविश्वास को जीत में बदलकर तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और पूल डी में अपनी स्थिति मजबूत करने पर है।